दून रेलवे स्टेशन से ट्रेनों का संचालन शुरू

प्लेट फार्मो पर अभी थोड़ा बहुत काम शेष

राहत

देहरादून। **संवाददाता**

तीन महीने बाद राजधानी दून से ट्रेनों का संचालन शुरू होने से यात्रियों ने राहत की सांस ली। रेलवे लाइनों का काम पूरा हो चुका है जबकि प्लेट फार्मो पर अभी थोड़ा बहुत काम शेष है जिसे शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा। आज से दून आने जाने वाली 8 ट्रेनों का संचालन शुरू हो गया है जबकि 10 फरवरी से सभी ट्रेनें पूर्ववत रूप से संचालित होने लगेंगी।

उल्लेखनीय है कि तीन माह पूर्व 10 नवम्बर को दून स्टेशन पर ट्रेनों का संचालन स्टेशन के विस्तारीकरण और आधुनिकीकरण के लिए बंद कर दिया गया था। इस दौरान कुछ ट्रेनों को हरिद्वार तक तथा दो ट्रेने हर्रावाला तक ही आ पा रही थी। जिसके कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इससे पूर्व दून रेलवे स्टेशन के प्लेट फार्मो की लम्बाई कम होने के कारण यहां सिर्फ 13 कोच वाली ट्रेने ही आ सकती थी लेकिन अब इस विस्तारीकरण के बाद 18 कोच वाली ट्रेनों का आवागमन भी संभव हो सकेगा। जिससे यात्रियों को काफी सुविधाएं होने की उम्मीदें है तथा लम्बी लम्बी वेटिंग लिस्ट में भी कमी आयेगी। इस विस्तारीकरण के जरिए जहां प्लेटफार्मो की लम्बाई को बढ़ाया गया है वहीं एक नये प्लेट फार्म का निर्माण भी किया गया है। जिससे अब प्लेट फार्मो की संख्या बढ़कर 4 से 5 हो गयी है। वहीं हर प्लेट फार्म को अब आधुनिक सुविधाओं से भी लैस किया गया है। विस्तारीकरण का काम पूरा होने पर एडीआरएम एन.एन. सिंह ने खुशी जताते हुए कहा है कि इस काम को निर्धारित समय सीमा में पूरा कर लिया गया है। स्टेशन के बाहर भी अभी स्मार्ट सिटी के तहत काम किया जाना बाकी है। इस विस्तारीकरण के बाद अब दून के रेलवे स्टेशन का रंग रूप पूरी तरह से बदल चुका है।

दून रेलवे स्टेशन पर यात्री।

ओलंपस हाईस्कूल में वार्षिक स्प्रिंग फेट आयोजित

देहरादून। ओलंपस हाईस्कूल ने आज स्कूल परिसर में वार्षिक स्प्रिंग फेट का आयोजन किया। फेट में कई प्रकार के व्यंजन जैसे की आइस–क्रीम, कुरकुरे चाट, भेलपुरी, पेस्ट्री, ब्रेड आमलेट, सैंडविच, कैंडीज, गोलगप्पे, छोले चाट, वाई–वाई, मोमोज, चाउमीन, बन समोसा, सॉफ्ट ड्रिंक, ब्रेड पकोड़ा सहित कई प्रकार के खान पान छात्रों के लिए उपलब्ध रहे।
सैंड कप, डार्ट, लकी ड्रा, कॉइन इन द बकेट, हिट द बॉल, जेल, कैरम, बॉल इन द टायर , सब खेलो सब जीतो, लाइट द कैंडल्स, टेस्ट योर स्पीड, फार्च्यून व्हील, क्राफ्ट कार्नर, लक्की डिप सहित कई खेल छात्रों के लिए भी आयोजित किये गए।एनुअल फेट का मुख्य आकर्षण जैम सेशन रहा जिसमे सभी उपस्थित लोगों ने खूब मजे किये।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

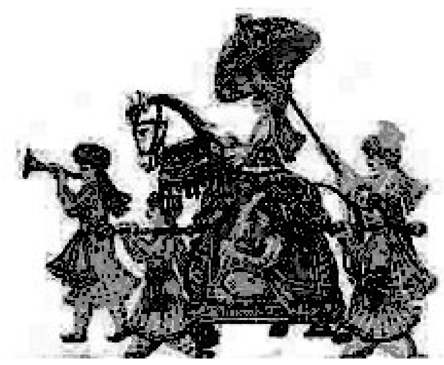

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

सीएए का मकसद नागरिकता देना है छीनना नहीं: बंशीधर भगत

कार्यकर्ताओं ने वाद्य यंत्रों ढोल नगाड़ों व फूल मालाओं सहित किया स्वागत

स्वागत

संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष वंशीधर भगत आजकल गढ़वाल मंडल के जिलों के भ्रमण पर हैं। इस क्रम में आज उनका काफिला टिहरी जिले के लंबगांव से होते हुए उत्तरकाशी जिले की सीमा में पहुंचा, जहां उनका स्वागत सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने पारम्परिक वाद्य यंत्रों ढोल नगाड़ों व फूल मालाओं सहित किया।

इस मौके पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वंशीधर भगत ने कहा कि उनका मकसद भारतीय जनता पार्टी को उत्तराखंड में फिर से सत्ता में लाना है। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश अध्यक्ष नहीं बल्कि बीजेपी का हर कार्यकर्ता अध्यक्ष बना है। उन्होंने जनसभा में बीजेपी कार्यकर्ताओं को स्पष्ट रूप से कहा कि वे पार्टी में किसी भी तरह की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनके रहते जो कार्यकर्ता अनुशासनहीनता में संलिप्त पाया गया उसे तत्काल बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। फिर उनके अध्यक्ष रहते ऐसे कार्यकर्ता पार्टी में नहीं आ सकते। उन्होंने कहा कि भाजपा की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने ही देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न बनाया है।

देश मे आज कांग्रेस व दूसरे दलों के लोग नागरिक संसोधन कानून पर जनता को गुमराह कर रहे है। देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस कानून का मकसद नागरिकता देना है न कि नागरिकता लेना।

उन्होंने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। आज वही अमेरिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए पलक पावड़े बिछाए इंतजार करता रहता है, जो कभी भारत के प्रधानमंत्रियों को मिलने का समय तक नही देता था। कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 झटके में हट गई और चूं तक नही हुई।

अयोध्या में राम के मंदिर का निर्णय 450 सालों से लटका पड़ा था। आज भाजपा सरकार के नेतृत्व में इसका निर्णय हो चुका है। मैं सम्पूर्ण उत्तराखंड की जनता से 2022 में फिर से बीजेपी की सरकार बनाने के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूँ। सभा को बीजेपी प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र भण्डारी, विधायक गोपाल रावत, विधायक केदार सिंह रावत ने भी सम्बोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत का स्वागत करते कार्यकर्ता।

औद्योगिक आपदाओं की संवेदनशीलता के विषय पर मॉक अभ्यास कार्यक्रम की हुई समीक्षा

संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण भारत सरकार के सहयोग से राज्य आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जनपद हरिद्वार में औद्योगिक आपदाओं की संवेदनशीलता के दृष्टिगत रासायनिक आपदा विषय पर मॉक अभ्यास के पूर्व कलेक्ट्रेट सभागार रोशनाबाद में जिलाधिकारी हरिद्वार सी. रविशंकर एवं एसएसपी हरिद्वार सैंथिल अबुदई कृष्णराज एस. ने तैयारियों की समीक्षा की।
जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त यूनिटों के अधिकारी एक दूसरे से मोबाइल के जरिए सम्पर्क में रहेंगे तथा समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। उन्होंने समस्त यूनिटों के अधिकारियों से मॉक ड्रिल की तैयारियों की जानकारी ली तथा यूनिटों को आवश्यक सामग्री आवश्यकतानुसार उपलब्ध रखने के निर्देश दिये तथा अस्पतालों के चयन के विषय में जानकारी चिकित्सा यूनिट से ली।
उन्होंने कहा कि सभी यूनिटों के अधिकारी स्टेजिंग एरिया में एकत्रित होंगे तथा सायरन बजने के उपरांत कंट्रोल रूम से सम्पर्क स्थापित करेंगे तथा परिस्थितिनुसार अपनी–अपनी यूनिटों को आपदा प्रभावित स्थलों पर भेजेंगे। जिलाधिकारी ने विभिन्न अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये जाने वाले उपायों पर भी चर्चा की।
आपदा प्रबन्धन अधिकारी श्रीमती मीरा कैन्तुरा ने बताया कि रासायनिक आपदा मॉक ड्रिल के लिए 14 इंडस्ट्रियों का चयन किया गया है।

रासायनिक आपदा विषय पर मॉक अभ्यास की समीक्षा करते हुए।

भूकंपः गढ़वाल–कुमाऊं के कई जनपदों में डोली धरती

संवाददाता देहरादून। गढ़वाल और कुमाऊं के कई इलाकों में शनिवार तड़के भूकंप में झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बागेश्वर जिले का गोगिना में था। वहीं बागेश्वर में भूकंप के झटके से एक मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया है। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.7 बताई जा रही है। सुबह करीब साढ़े बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। कर्णप्रयाग, श्रीनगर, चमोली, पिथौरागढ, बागेश्वर और नैनीताल जिले में महसूस किए गए। चमोली जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि सुबह लगभग 6.30 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। जिले में कहीं से जान माल के नुकसान की सूचना नहीं है। बागेश्वर जिले की तहसील दुगनाकुरी में एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। बसंती देवी उम्र 42 वर्ष पत्नी लच्छी राम व रीता उम्र 11 वर्ष पुत्री लच्छी राम को को मकान क्षतिग्रस्त होने से हल्की चोट आयी हैं। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया है। प्रभावित परिवार को तहसील प्रशासन द्वारा तत्काल सहायता के रूप में 3800 रुपए, दो कम्बल और एक आपदा राहत किट दिया गया है।

न्यूज डायरी

सरकार के कार्यों व संगठन के विचार जनता तक पहुँचायें: अजेय कुमार

संवाददाता देहरादून। भाजपा द्वारा देहरादून जिला महानगर सोशल मीडिया कार्यशाला का पार्टी प्रदेश कार्यालय पर आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार मुख्य अतिथि रहे। प्रदेश मीडिया सह संयोजक शेखर वर्मा भी उपस्थित रहे। अपने सम्बोधन में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने कहा कि आज सोशल मीडिया का महत्व बहुत बढ़ गया है। यह जन संवाद का सशक्त माध्यम है और हमें इसका सकारात्मक रूप से प्रयोग करना चाहिए।उन्होंने कहा कार्यकर्त्ताओं को सरकार के कार्यों को जनता तक पहुँचाने व अपने विचार को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना होगा। अजेय कुमार ने सतत जागरूकता की आवश्यकता बताई व कहा कि हमें विरोधियों के दुष्प्रचार का उत्तर देने व जनता के सामने सत्य लाने के लिए भी प्रयास रत रहना होगा।

रेलवे स्टेशन के नए साइन बोर्ड।

रेलवे स्टेशन के नए साइन बोर्ड से गायब हुई उर्दू

संवाददाता देहरादून। राजधानी देहरादून का रेलवे स्टेशन साइन बोर्ड के कारण एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। रेलवे स्टेशन पर लगे साइन बोर्ड में हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में स्टेशन का नाम लिखा गया है। इस साइन बोर्ड से उर्दू गायब है। हालांकि साइन बोर्ड में किये गये यह बदलाव रेलवे विभाग के फैसले के बाद किये गये हैं। मगर विभाग के फैसले में कही भी उर्दू को हटाने का जिक्र नहीं था। जिसके कारण राजधानी रेलवे स्टेशन का साइन बोर्ड विवादों में आ गया है। दरअसल, कुछ समय पहले रेलवे बोर्ड ने देश के किसी भी राज्य के रेलवे स्टेशनों के नाम हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही उस राज्य की दूसरी राजकीय भाषा में लिखे जाने का फरमान जारी किया था। जिसके बाद देहरादून रेलवे स्टेशन के साइन बोर्ड को बदलकर इसे हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में कर दिया गया है।